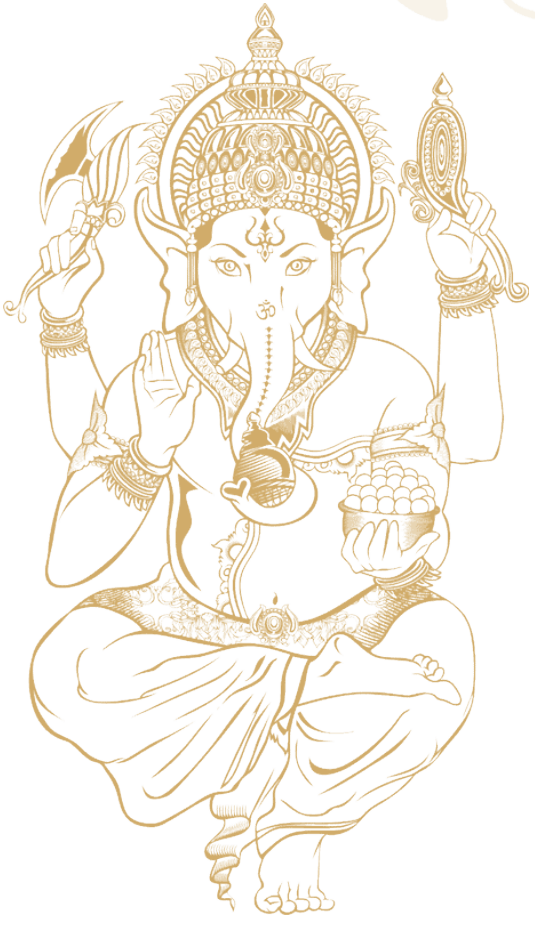

Tetarwal Jaipur

18 Oct 1998

10:30 PM

Jaipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121451102

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**18/10/1998**
दिन	रविवार
जन्म समय	**22:30:00 घंटे**
इष्ट	40:05:29 घटी
स्थान	**Jaipur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:53:00 उत्तर
रेखांश	75:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:03:20 घंटे
वेलान्तर	00:14:47 घंटे
साम्पातिक काल	23:51:15 घंटे
सूर्योदय	06:27:48 घंटे
सूर्यास्त	17:55:44 घंटे
दिनमान	11:27:56 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	01:16:24 तुला
लग्न के अंश	15:37:43 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	ऐन्द्र
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पू-पूजा
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	15:37:43	319:51:21	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			तुला	01:16:24	00:59:36	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	नीच राशि
चंद्र			कन्या	12:36:34	11:54:55	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	मित्र राशि
मंगल			सिंह	12:57:51	00:36:13	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
बुध			तुला	16:19:18	01:30:15	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु	व		कुंभ	25:26:13	00:05:01	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
शुक्र		अ	कन्या	28:19:44	01:15:07	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	नीच राशि
शनि	व		मेष	06:43:38	00:04:46	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	नीच राशि
राहु	व		सिंह	06:23:01	00:06:50	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	06:23:01	00:06:50	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	14:58:21	00:00:00	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप			मक	05:33:39	00:00:14	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	12:31:26	00:01:53	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	---
दशम भाव			मीन	03:46:31	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:14

लग्न-चलित

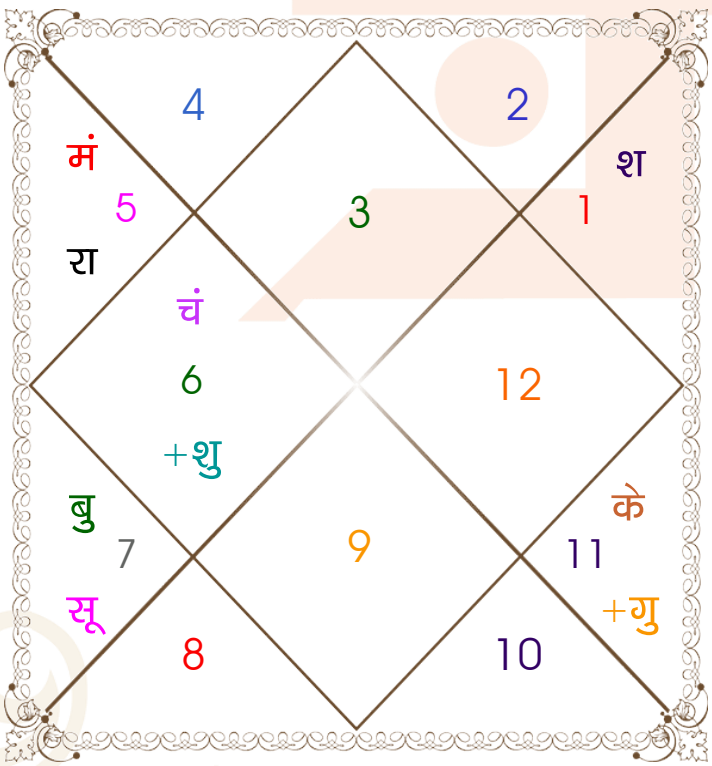

चन्द्र कुंडली

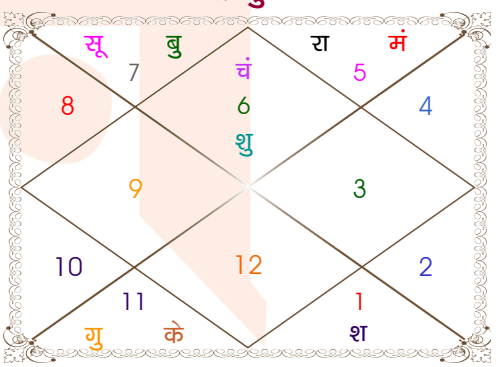

नवमांश कुंडली

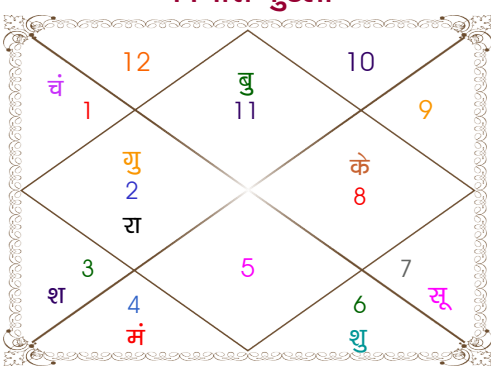

Mahrishi Dadhichi Jyotish Anusandhan Kendra
Whatsapp & phone +919664353859 9460248818
mukeshdadhich980@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 8 वर्ष 0 मास 15 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
18/10/1998		03/11/2006		03/11/2013		03/11/2031		03/11/2047	
03/11/2006		03/11/2013		03/11/2031		03/11/2047		03/11/2066	
	00/00/0000	मंगल	01/04/2007	राहु	16/07/2016	गुरु	22/12/2033	शनि	06/11/2050
	18/10/1998	राहु	19/04/2008	गुरु	10/12/2018	शनि	04/07/2036	बुध	16/07/2053
राहु	04/10/1999	गुरु	26/03/2009	शनि	16/10/2021	बुध	10/10/2038	केतु	25/08/2054
गुरु	02/02/2001	शनि	04/05/2010	बुध	04/05/2024	केतु	16/09/2039	शुक्र	25/10/2057
शनि	03/09/2002	बुध	02/05/2011	केतु	23/05/2025	शुक्र	17/05/2042	सूर्य	07/10/2058
बुध	03/02/2004	केतु	28/09/2011	शुक्र	22/05/2028	सूर्य	05/03/2043	चंद्र	07/05/2060
केतु	03/09/2004	शुक्र	27/11/2012	सूर्य	16/04/2029	चंद्र	04/07/2044	मंगल	16/06/2061
शुक्र	04/05/2006	सूर्य	04/04/2013	चंद्र	16/10/2030	मंगल	10/06/2045	राहु	22/04/2064
सूर्य	03/11/2006	चंद्र	03/11/2013	मंगल	03/11/2031	राहु	03/11/2047	गुरु	03/11/2066

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
03/11/2066		03/11/2083		03/11/2090		04/11/2110		04/11/2116	
03/11/2083		03/11/2090		04/11/2110		04/11/2116		00/00/0000	
बुध	01/04/2069	केतु	01/04/2084	शुक्र	05/03/2094	सूर्य	22/02/2111	चंद्र	04/09/2117
केतु	29/03/2070	शुक्र	01/06/2085	सूर्य	05/03/2095	चंद्र	23/08/2111	मंगल	05/04/2118
शुक्र	27/01/2073	सूर्य	06/10/2085	चंद्र	03/11/2096	मंगल	29/12/2111	राहु	19/10/2118
सूर्य	03/12/2073	चंद्र	08/05/2086	मंगल	03/01/2098	राहु	22/11/2112		00/00/0000
चंद्र	05/05/2075	मंगल	04/10/2086	राहु	03/01/2101	गुरु	10/09/2113		00/00/0000
मंगल	01/05/2076	राहु	22/10/2087	गुरु	04/09/2103	शनि	23/08/2114		00/00/0000
राहु	18/11/2078	गुरु	27/09/2088	शनि	04/11/2106	बुध	30/06/2115		00/00/0000
गुरु	23/02/2081	शनि	06/11/2089	बुध	04/09/2109	केतु	04/11/2115		00/00/0000
शनि	03/11/2083	बुध	03/11/2090	केतु	04/11/2110	शुक्र	04/11/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 8 वर्ष 0 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति की हो जाएंगी। आप अपने पति पर प्रभुत्व जमाएंगी। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगी।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहती हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहती हैं। आप चाहती हैं कि आपके पति आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरे पति जीवन साथी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकती है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है।

मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से

कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए।

ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।